

Regarding the incidents of political murders in Bihar.

श्री प्रमुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक अतिगम्भीर विषय की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ। 19.4.2000 को बिहार में समता पार्टी के पूर्णिया जिले के अध्यक्ष मधुसूदन राय उर्फ घुट्टन सिंह की दिन-दहाड़े न्यायालय में हत्या कर दी गई। पूरे बिहार में राजनीतिक हत्याओं का दौर चल रहा है। आपकी ही पार्टी के भूतपूर्व सांसद विजय सिंह सोये की भी हत्या की गई। इतना ही नहीं गुरदास चटर्जी, जो मौजूदा विधायक थे, उनकी भी हत्या कर दी गई है। विधान सभा चुनाव के बाद लगभग 250 राजनीतिक कार्यकर्ताओं की हत्या बिहार में कर दी गई है। जब इन स्वालों को बिहार विधान सभा में

*Not Recorded.

उठाया जाता है तो सत्ता पक्ष के विधायक विपक्षी सदस्यों पर कुर्सियां चलाते हैं और मारपीट की घटनाएं करते हैं। बिहार में विधि व्यवस्था नाजुक दौर में गुजर रही है। बिहार में अपराधियों को सत्ता की कुर्सी से संरक्षण मिल रहा है। इसलिए पूरे बिहार में आपराधिक माहौल बना हुआ है। (व्यवधान)

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : ये हत्या का स्वाल यहां उठा रहे हैं, यह राज्य का विषय है, क्या इस पर यहां चर्चा हो सकती है। (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record.

(Interruptions)*

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह : दूसरे सदन की बात इस सदन में नहीं उठाई जा सकती, यह नियम है। वहां के सदन की भी बात इस सदन में नहीं उठाई जा सकती, इसके एक्सपंज किया जाए। (व्यवधान)

श्री प्रमुनाथ सिंह : मैंने यह नहीं कहा कि बिहार में जो हत्याएं हो रही हैं वह रघुवंश प्रसाद जी ने कराई हैं। (व्यवधान)

SHRI ANIL BASU (ARAMBAGH): Sir, this should not be permitted. This is against the Rules of Business of the House....(Interruptions)

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह : आप वहां राजनीतिक हत्याओं के विषय पर न बोलकर सरकार के ऊपर बोल रहे हैं। (व्यवधान) आपने कहा कि रघुवंश प्रसाद ने कराई हैं।

श्री प्रमुनाथ सिंह : मैंने यह नहीं कहा कि आपने कराई हैं। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप बैठिए, जो भी असंसदीय या आपत्तिजनक बात होगी, मैं एक्सपंज करूंगा, आप शांत रहें।

। (व्यवधान)

डा. मदन प्रसाद जायसवाल (बेतिया) : बगैर सबूत के इस प्रकार की बात नहीं करनी चाहिए, इसको निकाल देना चाहिए।

*Not Recorded.

उपाध्यक्ष महोदय : इस तरह इंटरप्ट करेंगे तो किसी को चांस नहीं मिलेगा। मैं एक बजे सदन स्थगित कर दूंगा। प्रमुनाथ सिंह जी अब कन्क्लूड करें।

श्री प्रमुनाथ सिंह : हल्ला हो रहा है, कैसे कन्क्लूड करें। हमें दो मिनट का समय दें।

उपाध्यक्ष महोदय : आपने मैटर बता दिया है।

श्री प्रमुनाथ सिंह : बिहार विधि व्यवस्था बहुत ही नाजुक दौर से गुजर रही है। कोई भी राजनीतिक नेता या कार्यकर्ता अपने को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा, मैं यह नहीं कहता कि बिहार सरकार को बर्खास्त कर दिया जाए, मैं कहता हूँ। (व्यवधान)

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह : यह स्वाल फिर से उठेगा। (व्यवधान)

SHRI ANIL BASU : Sir, this is not good for the House. Raising such issues in the House is only to create turmoil in the House. Is it permitted to raise such matters under the Rules of Business of the House?...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Anil Basu, he has given a notice to raise the matter regarding political murders in Bihar and that is what he is mentioning.

...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER : Shri Anil Basu, please take your seat.

...(Interruptions)

कुमारी उमा भारती : अभी जब आपके सामने गुजरात का मामला उठा था।...(व्यवधान)

श्री अनिल बसु : वह सूखे का मामला था।...(व्यवधान)

श्री अशोक प्रधान (खुर्जा) : अभी गुजरात का मामला भी यहां उठा था, वह भी तो स्टेट व्हाय था।...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER : Shri Ashok Pradhan, let me regulate the House.

...(Interruptions)

श्री प्रमुनाथ सिंह : बिहार में विधि व्यवस्था बहुत खराब है।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : विधि व्यवस्था स्टेट व्हाय है, वह यहां नहीं उठ सकता। जो पोलिटिकल मर्डर का है, वह बताइए। मैं दूसरे आदमी का नाम बुलाता हूँ।

...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER : Shri Prabhunath Singh, law and order is a State subject. You cannot raise it here.

...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER : Let us not waste the time of the House.

श्री प्रमुनाथ सिंह : यहां राजनीतिक हत्याएं हो रही हैं।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आपने बोल दिया न ?

श्री प्रमुनाथ सिंह : यहां जो राजनीतिक हत्याएं हो रही हैं, उनकी सी.बी.आई. से जांच कराई जाए।...(व्यवधान) राजनीतिक हत्याएं और सत्ता की कुर्सी पर बैठने वाले...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : राजनीतिक हत्याओं का जो सिलसिला है, उसकी सी.बी.आई. से जांच कराई जाये।...(व्यवधान)

श्री प्रमुनाथ सिंह : ढाई सौ से ज्यादा लोग बिहार में अभी तक चुनाव के बाद मारे गये हैं और उसके बाद भी आप कहते हैं कि विधि व्यवस्था...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आपको चांस मिला। विधि व्यवस्था यानि लॉ एंड ऑर्डर यह स्टेट व्हाय है।

...(व्यवधान)

श्री प्रमुनाथ सिंह : ये पोलिटिकल हत्याएं हैं।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : राजनीतिक हत्या क्या विधि व्यवस्था है ?

श्री प्रमुनाथ सिंह : हमारा यह कहना है कि इन हत्याओं की सी.बी.आई. से जांच करवाई जाये।...(व्यवधान)

12.48 बजे

(इस समय श्री रामजीलाल सुमन सभा पटल के निकट फर्श पर खड़े हो गए।)

12.48 बजे

(इस समय श्री रामजीलाल सुमन अपने स्थान पर वापस चले गए।)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : माननीय सदस्य ने राजनीतिक हत्याओं की चर्चा की है।...(व्यवधान) इन राजनीतिक हत्याओं की जांच सी.बी.आई. से हो।...(व्यवधान)

श्री प्रमुनाथ सिंह : सरकार का इन बिंदुओं पर क्या कहना है ?

उपाध्यक्ष महोदय : मैं उन्हें कम्पेल नहीं कर सकता।

श्री अनिल बसु : हाउस में स्टेट व्हाय को उठाना अच्छी बात नहीं है।

MR. DEPUTY-SPEAKER : Shri Anil Basu, please resume your seat.

SHRI ANIL BASU : Sir, all State subjects are coming up here.

MR. DEPUTY-SPEAKER : I have not allowed. You resume your seat.

...(Interruptions)

SHRI ANIL BASU : Sir, because they are the allies of the B.J.P., all State matters are allowed to be raised here which is denigrating the prestige of the House. ...(Interruptions)

कुमारी उमा भारती : गुजरात का जो मुद्दा था, क्या वह स्टेट व्हीच नहीं था जिस पर आपने एक हफ्ते तक पार्लियामेंट नहीं चलने दी थी।...(ब्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : इसमें आपको अब क्या करना है ?

...(ब्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER : Mr. Minister, do you want to react to it?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION TECHNOLOGY (SHRI PRAMOD MAHAJAN): Sir, I only want to say that today there are many issues which are raised about the killings of political leaders in different States. In just about an hour from now, we are discussing the Demands for Grants of the Ministry of Home Affairs. The hon. Minister of Home Affairs himself will come to the House. I would request the hon. Members to raise these issues in front of the hon. Minister of Home Affairs so that he can answer all these things. Let us keep some other subjects for the Zero hour.